संपादक के नोट

प्रिय पाठकों, मुझे बहुत आनंद महसूस होता है आप सबको हमारे प्रभु येशु मसीह के नाम से अभिवादन करने में। यहोवा की स्तुति हो, परमेश्वर हर समय अच्छा है। हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं क्योंकि उसने अपने अनुग्रह से हमारी सहायता की है हमारे सेवा की ९ वे वर्ष में प्रवेश करने में। हम सब जानते है कि उसका अनुग्रह हर दिन नया है।

भजन संहिता १०३:१९ – यहोवा ने अपना सिंहासन स्वर्ग में स्थापित किया है; और उसका प्रभुत्व सब पर शासन करता है

यह संसार किसी के भी द्वारा राज किया जा सकता है लेकिन परमेश्वर का सिंहासन स्वर्ग में है, वह राजाओं का राजा है और सब पर राज करता है। उसके पास सारा अधिकार है; स्वर्ग और पृथ्वी पर। **मत्ती २८:१८ – तब येशु ने उनके पास आकर कहा, "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।"**

वह राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु है। **प्रकाशितवाक्य १९:१६ – उसके वस्त्र और जांघ पर यह नाम लिखा है: "राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।"**

वह केवल राजाओं का राजा ही नहीं जो केवल सबसे ऊँचे सिंहासन पर बैठता है और सब पर राज करता है, वह हमारे लिए एक प्रधान याजक और न्यायाधीश भी है।

नबी यशायाह के समय, राजा उज्जियाह सारे देश पर घमंड से राज करता था। यह घमंड के कारण वह सोचने लगा कि वह कुछ भी कर सकता है और वह परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने गया। याजकों ने अत्याधिक प्रयत्न किया कि उसे ऐसा करने से रोक पाए, लेकिन वह उनसे क्रोधित हुआ। लेकिन तुरंत परमेश्वर के दूत ने उसे छूआ और वह उसके मरण तक एक कोढ़ी बना। राजा उज्जियाह के मृत्यु के बाद, परमेश्वर ने यशायाह की आँखें खोली। नबी यशायाह ने परमेश्वर को ऊँचाई में एक सिंहासन पर बैठे दखा। कितना अद्‌भुत गवाही है नबी यशायाह पर!

इस संसर में राजाएं आ सकते हैं, राजाएं जा सकते हैं, शासक आ सकते हैं, शासक जा सकते हैं। वें बदल सकते है लेकिन हमारा परमेश्वर राजाओं को निकालता है और राजाओं को बनाता है। **दानिय्येल २:२१ – समयों और युगों को वही बदलता है, वही राजाओं को हटाता और स्थापित करता है और बुद्धिमानों को बुद्धि और ज्ञानवानों को ज्ञान प्रदान करता है।**

हमारा परमेश्वर एक न बदलने वाला परमेश्वर है, उसका राज्य अनंतकाल से अनंतकाल तक का है। वह आदि और अंत है।

इस संसार में हम कई प्रकार के लोगों से मिलेंगे। कई बहुत क्रूर, किसी कारण के बिना हमे दोष देंगे, तो दूसरें हमेशा हम पर उँगली उठाते होंगे कई हमारे साथ हमेशा बिना किसी कारण के बहस करते होंगे लेकिन हमारी आँखें परमेश्वर की ओर उठने चाहिए।

दाऊद कहता है **भजन संहिता १२३:२** में, **देख, जैसे दासों की आंखें अपने स्वामी के हाथ की ओर, और जैसे दासियों की आंखें अपनी स्वामिनी के हाथ की ओर लगी रहती हैं, वैसे ही हमारी आंखें हमारे परमेश्वर यहोवा की ओर तब तक लगी रहेंगी जब तक वह हम पर अनुग्रह न करे।**

तुम्हारे उत्तर में देरी हो सकता है लेकिन निश्चय वह एक धार्मिकता का उत्तर देगा, क्योंकि वह ऊँचाई के सिंहासन पर बैंठता है। **यिर्मयाह ५१:४६ – जब देश में अफवाह सुनी जाए अर्थात एक वर्ष में एक अफवाह और दूसरे वर्ष में दूसरी अफवाह और देश में हिंसा हो और एक अधिकारी दूसरे अधिकारी के विरोध में हो तो तुम्हारा मन न डरे और न घबराए।**

कसदियों ने इस्राएल पर कब्ज़ा किया और उनपर राज किया। उसके पश्चात मादियों और फारसियों ने बेबीलोन पर राज किया। उसके पश्चात यूनानियों ने बेबीलोन पर राज किया। इसी प्रकार हमारे देश पर भी अनेक राजाओं ने राज किया, अंग्रेजों ने भी भारत पर राज किया। लेकिन हमारा परमेश्वर, राजाओं का राजा, हम पर अब भी राज करता है।

वह राजाओं का राजा, प्रभुओं का प्रभु है , स्वर्ग और पृथ्वी का सृजनहार, जिसके पास स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार है। केवल वही हमे धार्मिक्ता का न्याय देगा।

लूका १:३३ – और वह याकूब के घराने पर अनन्तकाल तक राज्य करेगा, और उसके राज्य का अन्त न होगा।"

इसलिए, मेरे प्रिय पाठकों, हमारा परमेश्वर हमारे ऊपर और हमारे परिवारों पर हमेशा राज करने दो। हमारा अच्छा परमेश्वर तुम्हे आशीष दें कि जब तक हम अगले महिने फिर मिलें।

पास्टर सरोजा म.